वार्षिक रिपोर्ट
2019-20

सचेतन

मुखपृष्ठ पर अंकित फोटो कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला के तहत द्वारा बनाये गए बुकमार्क्स का है, जिसे पुरानी जीन्स के टुकड़ों पर कशीदा कर तैयार किया है. रीसायकल प्रयोगों के तहत यह संस्था व बालिका गृह -नारीशाला का अभिनव प्रयोग था. उक्त फोटो नगर निगम कोटा द्वारा आयोजित 'अमृताहाट' मेले में संस्था के स्टाल का है.

आभार

सीमित परन्तु निरंतर प्रयासों के साथ आगे बढ़ते हुए यह संस्था का आठवाँ वित्तीय वर्ष है और इसकी कार्यक्रम और वित्तीय वार्षिक रिपोर्ट आपके पढ़ने और टिप्पणियों हेतु प्रस्तुत है.

एक स्वैच्छिक संस्था के रूप में कार्य करना सदैव ही चुनौती पूर्ण रहा है. जहां आप के द्वारा निर्धारित किये गए लक्ष्य और उनकी प्राप्ति के लिए अपनाये गए साधनों के बीच साम्य होना और उसे बनाये रखना जरूरी होता है. साथ ही दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी होती है कि काम रुकना नहीं चाहिए वरना आज तेजी से बदलते संस्था जगत के परिदृश्य से आपके बाहर होते देर नहीं लगती. लेकिन काम अर्थात संस्था के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बुलंद हौसले और नेक इरादों के अतिरिक्त आर्थिक और मानव संसाधन का पास में होना एक तीखी आवश्यकता है, जिससे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता. स्थितियों को थोड़ा और जटिल करें तो गुणात्मकता -परिमाणात्मकता (quality-quantity) की कसौटी पर भी खरा उतरने की अभिलाषा होती है.

इन सभी महत्वाकांक्षाओं के साथ हमारी यात्रा जारी है. हर बार की तरह इस वर्ष भी आग्रह कौशल प्रशिक्षण पर था जिसके निमित्त 'रीसायकल' पर जोर देते हुए ही सभी कार्यशालाएं कचरे/कतरनों के प्रयोग के इर्दगिर्द ही रची गयीं थीं. खुद करें-खुद सीखें के भाव को लेकर आयोजित आर्टलैब बच्चों के साथ कारगर रहीं. इनके साथ ही अनेक संस्थाओं और व्यक्तियों का सहयोग भी संस्था को प्राप्त हुआ. मुख्यतः, राजकीय बालिका गृह एवं नारी निकेतन कोटा, नगर निगम कोटा, रक्षम योगशाला, एक्सपर्टहीव- बंगलौर, कोटा हेरिटेज सोसायटी, जैन मुमुक्षु महिला मंडल कोटा, एवं दिव्य कृषि समाधान कोटा आदि संस्थाओं का साथ मिला. इसके साथ ही संस्था को इस वर्ष तीन अकादमिक संस्थाओं – लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय-क्षेत्रीय केंद्र जयपुर, व सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नागपुर के इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत उनके विद्यार्थियों को शिक्षित करने का अवसर मिला.

स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने की दृष्टि से संस्था योग शिक्षा व जागरूकता के लिए भी संकल्प रखती है जिसके तहत गत वर्ष से ही बालिका गृह की बालिकाओं के साथ समय-समय पर योग सत्रों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है. शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए संस्था द्वारा एक ऑनलाइन सर्वेक्षण भी आयोजित किया गया जिसका विषय कोटा क्षेत्र की महिलाओं का स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन करना था. जिसकी रिपोर्ट को लिखा जाने का कार्य प्रक्रियारत है.

छोटे-छोटे ही सही, लेकिन निरंतरता के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहने के लिए हम सचेतन के सभी मित्रों व शुभचिंतकों के आभारी हैं जिनके विविध सहयोग के साथ ही यहां तक पहुंचना संभव हो सका है.

धन्यवाद !

टीम सचेतन

वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

विषय सूची

गतिविधि	**पृष्ठ**
किशोरी बालिका सशक्तिकरण	1-5
आर्टलैब- खुद करें, खुद सीखें	5
कौशल प्रशिक्षण	6-8
इंटर्नशिप कार्यक्रम	8
सहभागिता	9
महिला स्वास्थ्य-ऑनलाइन सर्वेक्षण	10
डॉक्यूमेंटेशन एवं अन्य सामग्री विकास	10
सचेतन सदस्य (वर्ष 2019-20)	10
सचेतन साथी • वित्तीय दान सहयोग • सामग्री सहयोग • विभिन्न कार्यक्रमों में वालंटियर सहयोग	11
सचेतन गतिविधियाँ सारणी	12-13
संस्था वित्तीय रिपोर्ट (वर्ष 2019-20)	13-14

किशोरी बालिका सशक्तिकरण

किशोरी बालिका सशक्तिकरण के तहत संस्था की मुख्य गतिविधियां वर्तमान में राजकीय बालिका गृह की बालिकाओं हेतु केन्द्रित है. 'SELF[1]' कार्यक्रम के तहत इन बालिकाओं के शैक्षणिक, कौशल विकास, व व्यवहारगत परिवर्तन संबंधी पहलुओं पर आधारित गतिविधियों को संचालित किया जाता है.

बालिकाओं के शैक्षिक विकास (स्कूली शिक्षा के इतर) हेतु विविध कार्यक्रमों का संचालन किया गया. इन गतिविधियों के आयोजन में अनेक वालंटियर्स/ इंटर्न विद्यार्थियों ने सहयोग दिया. अपनी झिझक/संकोच से बाहर आना, समूह में अनेक लोगों के मध्य होने पर संकोच से कैसे मुक्त हों, असुरक्षा को समझना और उसे दूर करना, अपनी कमजोरियों और डर, आत्मनिर्भरता आदि विषयों पर छोटी-छोटी चर्चा और अनुभव बांटना; शरीर का विभिन्न अंगों के संचालन और चेतनता के साथ उन्हें समझना, अपने दायरे से बाहर आना और साथ ही अपनी सीमाओं को भी पहचानना और उसी के अनुरूप करना...ऐसे अनेक विषयों पर मंथन किया. इन्ही विचारों के अनुरूप 'बॉडी मूवमेंट' कार्यशाला, योग एवं शारीरिक व्यायाम के सत्र थोड़े-थोड़े अंतराल में नियमित रूप से आयोजित करे गए. साथ ही प्रासंगिक मुद्दों जैसे 'आधार कार्ड व अन्य परिचय-पहचान पत्रों' की महत्ता व उनसे जुड़ी आवश्यक जानकारियों को बालिकाओं से साझा करना, व उनके लिए ऑनलाइन इंग्लिश स्पीकिंग क्लास का आयोजन किया गया. शैक्षिक प्रयासों के साथ-साथ बालिकाओं के लिए सृजनात्मक कौशल वृद्धि हेतु अनेक क्राफ्ट कार्यशालाओं का आर्टलैब के तहत आयोजन किया गया. समस्त कार्यशालाएं पूर्णतया निशुल्क थी. निम्न तालिका में गतिविधियों की समेकित जानकारी दी गयी है. साथ ही कुछ गतिविधियों का विस्तारपूर्वक विवरण भी प्रस्तुत है.

क्रम	दिनांक	कार्यक्रम	गतिविधि
1	18 अप्रैल	आर्टलैब	पेपर बैग बनाना
2	1-10 मई	शैक्षिक	बॉडी मूवमेंट कार्यशाला
3	3-9 मई	आर्टलैब	डस्ट बिन लाइनर बनाना
4	12जून- 20 जुलाई	शैक्षिक	योग एवं शारीरिक व्यायाम
5	21 जून	शैक्षिक	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन
6	22 जुलाई	सेल्फ कार्यक्रम	बालिकाओं का सर्वे
7	2 अगस्त	कौशल प्रशिक्षण	कचरे से खाद बनाना
8	19 अगस्त	आर्टलैब	ट्री-ड्राइंग मेकिंग कार्यशाला
9	21 अगस्त- 13सितम्बर	कौशल प्रशिक्षण	बैग्स,पोटली पर्स मेकिंग प्रशिक्षण
10	2 अक्टूबर	आर्टलैब	गाँधी जयंती आयोजन – पेपर बैग्स बनना
11	4-5 अक्टूबर	आर्टलैब	स्टोन पेंटिंग, फेस पेंटिंग एवं मेहँदी कार्यशालाएं
12	10-14 दिसम्बर	शैक्षिक	ऑनलाइन इंग्लिश स्पीकिंग क्लास
13	17 दिसम्बर	शैक्षिक	आधार एवं अन्य पहचान पत्रों के ऊपर प्रेजेंटेशन
14	27-31 जनवरी	कौशल प्रशिक्षण	बची कतरनों के साथ फ्रिज हैंडल, कटलरी केस, जीन्स बैग बनाना
15	5 -8 फ़रवरी	कौशल प्रशिक्षण	कॉटन बैग्स प्रशिक्षण –मांडना कशीदा
16	17-21 मार्च	सेल्फ कार्यक्रम	योग प्रशिक्षण कार्यशाला

[1] SELF: Self Empowerment, Learning and Fostering

कचरे से खाद बनाना : पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के साथ-साथ स्व -रोजगार के नये क्षेत्र के रूप में और वर्तमान में समय की आवश्यकता को देखते हुए बालिकाओं को जैविक खाद बनाने के लिए प्रेरित किया गया. उन्हें रसोई घर से निकलने वाले गीले कचरे से खाद बनाने को लेकर समाज में हो रहे प्रयोगों और प्रक्रिया से जुड़े अनेक विडियो दिखाए गए व उनके साथ चर्चा की गयी कि हम सब कैसे

....और कचरे से खाद बनकर तैयार हुई. 1

नारीशाला की रसोई के कचरे से खाद बना सकते हैं. कौन सब्जियों – फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि को सँभालने की जिम्मेदारी लेगा, उनको खाद बनाने के लिए ड्रम/मटके/ बाल्टी आदि में डालेगा, बीच-बीच में उसको उलट -पलट करेगा, आदि कुछ कार्यों के बारे में जिम्मेदारियाँ तय की गयी और काम शुरू हुआ. उनको प्रेरणा देने के लिए संस्था द्वारा स्थानीय कृषि वैज्ञानिक श्री संजीव सबरवाल को बालिका गृह में वार्ता हेतु आमंत्रित किया गया. उन्होंने अपने प्रेजेंटेशन में बालिकाओं को पेड़ों, वनस्पतियों, उनके लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गयी व जैविक खाद की महत्ता समझाई गयी. साथ ही पेड़ों संबंधी एक क्विज भी की गयी जिसमें बालिकाओं ने रोचकता के साथ भाग लिया. कार्यक्रम के अंत में श्री संजीव जी को बालिकाओं द्वारा क्राफ्ट कार्यशाला में बनाये गए कपड़े के थैले भेंट किये गए.

इंग्लिश स्पीकिंग: ऑनलाइन क्लास: दिनांक 10-14 दिसम्बर में पांच दिन की इंग्लिश स्पीकिंग की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का संचालन बंगलौर स्थित एक्सपर्ट हाइव संस्था द्वारा स्काइप के माध्यम से किया गया. जिसमें शिक्षक बनारस से जुड़ीं व उन्होंने पांच दिन तक बालिकाओं को उनकी आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम विकसित कर पढ़ाया. कक्षा का संचालन तीन स्तर पर होता था- समझाना, पूछना, अभ्यास करना. दिन-प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुओं के नाम (किचन की,

स्काइप के माध्यम से अध्ययनरत बालिकाएं

मसाले, सब्जियां, फल, बर्तन, आदि के नाम), प्रकृति (बारिश, तूफान, बाढ़..), जीवन शैली एवं अन्य कई और चीजों के अंग्रेजी के मायने समझना, बोलना और शाबाशी पाना. वाक्य विन्यास पर भी काम किया गया. छोटे छोटे वाक्य बनाना और उनको बोलने का अभ्यास करना, और पूछना कि अगर ये बोलना हो तो कैसे बोला जायेगा. पहले दो दिन बालिकाओं में थोड़ी झिझक थी. पहली झिझक तो यही थी कि ये उनकी पहली ऑनलाइन क्लास थी. वर्चुअल माहौल में तारतम्य बिठाने में कुछ समय लगा और दूसरी

झिझक ये कि 'अगर हमसे कुछ पूछ लिया और हमें नहीं आया तो ?' चित्रों, मूवी क्लिपिंग्स, वर्क शीट्स, गृह कार्य आदि विधाओं का प्रयोग करते हुए कक्षा पूर्ण हुईं.

परिचय पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता व सार-संभाल पर कार्यशाला :

पहचान पत्रों की आवश्यकता आधारित कार्यशाला

17 दिसम्बर को बालिका गृह की बालिकाओं हेतु आधार कार्ड एवं अन्य परिचयात्मक दस्तावेजों की आवश्यकता व उनकी सार संभाल पर संस्था द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. ये एक संजीदा मुद्दा था कि जबकि बाहरी जगत में नागरिकता को लेकर गहन विचार विमर्श हो रहा था तो क्या गृह की बालिकाएं इन समस्त परिदृश्य में क्या स्थिति रखती हैं? क्या वे आधार कार्ड का उद्देश्य जानती हैं? साथ ही रोजमर्रा में काम आने वाले निवास प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, फोन नंबर एक ही रखना, बैंक खाते से जुड़ाव, राशन कार्ड, वोटर कार्ड, दसवीं की मार्कशीट, बिजली का बिल, आदि अनेक दस्तावेजों की उपयोगिता, आवश्यकता,के बारे में जानकारी दी गयी. उद्देश्य यही था कि इन कागजों की वे अहमियत समझें और उनकी प्राप्ति, उपयोग और संभाल के प्रति सचेत रहें.

सिम्बायोसिस लॉ स्कूल-नागपुर से इन्टर्न छात्र शिवम् कुमार (BBA-LLB प्रथम वर्ष) द्वारा इन विषयों पर प्रेसेंटेशन दिया गया. इस अवसर पर कोटा विश्वविद्यालय से व्याख्याता डॉ. शर्मिला भी उपस्थित थीं . उन्होंने बालिकाओं के सवालों के जवाब दिए. कार्यशाला का संचालन डॉ. भारती गौड़ द्वारा किया गया. कार्यशाला में बालिकाओं द्वारा अपने अनुभव भी साझा किये गए और उन्होंने अपने सवालों व जिज्ञासाओं को भी सामने रखा.

बॉडी मूवमेंट कार्यशाला: 1 से 10 मई तक बालिकाओं के शारीरिक व मानसिक विकास की दृष्टि से नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में किसी प्रकार की नृत्य विधा के प्रशिक्षण पर आग्रह नहीं था.

बस, अपने आप को मुक्त रखते हुए शरीर जैसा संचालन करे उसे ही फॉलो करना था. संगीत बजा कर

बॉडी मूवमेंट कार्यशाला

प्रेरित करना कि अपनी जगह से खड़े हों -आगे आयें और कुछ भी हाव-भाव-मुद्रा, अंग संचालन करें, और जितनी देर चाहे उतनी देर तक करें. दस दिनों में धीरे-धीरे दायरे खुले, अपनी झिझक तोड़ कर कुछ आगे आयीं. बाकी बालिकाएं भी उनको देखकर आगे

बढीं. घेरा बढ़ता गया, लय-ताल मिलने लगी और वातावरण में सरसता व सहजता घुलने लगी. इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय से समाज कार्य में अध्ययनरत इन्टर्न शुभांगिनी द्वारा बालिकाओं के साथ इस कार्यशाला का संचालन किया गया. बालिका गृह, नारीशाला की महिलाओं व छोटे बच्चों द्वारा भी इस कार्यशाला का पूरा आनंद लिया गया. कार्यशाला के अंतिम दिन सभी संभागियों ने प्रस्तुतियां दीं व इस मौके पर नारीशाला अधीक्षक सुश्री अंशुल मेहंदीरत्ता, बालिका गृह अधीक्षक सुश्री श्वेता शर्मा व सचेतन सचिव डॉ. भारती गौड़ भी उपस्थित थीं.

योग एवं प्राणायाम : बालिकाओं के साथ काम करते यह अनुभव हो रहा था कि इन सभी के भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है कि शारीरिक रूप से स्वस्थ रखा जाये. व्यायाम करेंगी, निरोगी रहेंगी, तन-मन से स्वस्थ रहेंगी व एक प्रकार की स्वस्थ दिनचर्या में आयेंगी तो स्व-अनुशासन भी पनपेगा. इसी आशय को लेकर योग-व्यायाम और प्राणायाम कार्यशालाओं का आयोजन

योग प्रशिक्षक को स्मृति भेंट

किया गया. यद्यपि ये सत्र बहुत नियमित तो नहीं रह पाए क्योंकि दैनिक रूप से योग कक्षाओं के संचालन हेतु शिक्षक मानदेय एक मुद्दा तो था ही. फिर भी संस्था द्वारा प्रयासरत रहते हुए वर्ष में दो बार योग कार्यशालाओं को आयोजित किया गया.

पहली योग कार्यशाला (12 जून से 20 जुलाई) में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से बीबीए की छात्रा सुचरिता द्वारा व दूसरी कार्यशाला (17से 21मार्च) में रक्षम योगशाला से निमिषा कसेरा द्वारा संदर्भ व्यक्ति के रूप में कार्य किया गया. इसी दौरान अंतर्राष्ट्रीय

योगाभ्यास करती बालिकाएं

योग दिवस भी बालिकाओं के साथ मनाया गया. इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा सीखे गए योगासनों की प्रस्तुति की गयी. इस अवसर पर रक्षम योगशाला से सुप्रिया द्वारा बालिकाओं को विशिष्ट आसनों का प्रदर्शन किया गया. इस मौके पर राजकीय बालिका गृह अधीक्षक श्वेता शर्मा जी व नारीशाला अधीक्षक सुश्री अंशुल जी व सचेतन सदस्य सुनीता जैन, लीना विजय व भारती गौड़ उपस्थित थे. समारोह के बाद संस्था द्वारा सभी संभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गयी थी. साथ ही बालिकाओं द्वारा क्राफ्ट कक्षा में बनाये गए योग मैट बैग को संदर्भ व्यक्ति सुप्रिया जी को भेंट किया गया. सीमित समयावधि के लिए ही सही, योग के प्रति रुझान बनाने और जीवन में इसकी महत्ता को समझाने -समझने का

अवसर अवश्य बना. आशा है कि भविष्य में भी संस्था द्वारा और भी गहन रूप से व लम्बी अवधि के लिए योग कक्षाओं का संचालन किया जा सकेगा.

आर्टलैब- खुद करें खुद सीखें

आर्टलैब का उद्देश्य 'reuse-recycle-repurpose' की अवधारणा को आधार मानते हुए अपने आसपास पड़ी बेकार, अनुपयोगी चीजों जैसे कपड़े, प्लास्टिक, कागज आदि से कुछ उपयोगी, सजावट की चीजें तैयार करना रहता है. इस बार मुख्यतः पेपर बैग्स, कचरे के डिब्बे के लिए कागज के लाइनर (थैले), कपड़े के बुक मार्क्स बनाना आदि पर ही कार्य किया

गया. इस वर्ष 6 विशिष्ट आर्टलैब आयोजित की गयीं जिसमें से चार कार्यशालाएं बालिका गृह व नारीशाला महिलाओं के साथ व दो कार्यशालाएं क्रमशः विजयवर्गीय समाज के उड़ान शिविर में व गायत्री

परिवार के दीया- स्पंदन शिविर में आयोजित की गयीं. इनका विवरण नीचे दी गयी तालिका में दिया गया है.

क्रम	अवधि	स्थान	गतिविधि	संभागी
1	18 अप्रैल	बालिका गृह –नारीशाला	पेपर बैग बनाना	**46**
2	3-9 मई	बालिका गृह –नारीशाला	डस्ट बिन लाइनर बनाना	7
3	10-11 मई	उड़ान शिविर-विजयवर्गीय समाज	बुक मार्क्स बनाना –रीसाइकल्ड क्राफ्ट	37
4	16 मई	स्पंदन शिविर- दीया- गायत्री परिवार	बुक मार्क्स बनाना- रीसाइकल्ड क्राफ्ट	31
5	19 अगस्त	बालिका गृह –नारीशाला	ट्री-ड्राइंग कार्यशाला	40
6	2 अक्टूबर	बालिका गृह –नारीशाला	गाँधी जयंती आयोजन – पेपर बैग्स बनना	10

इन कार्यशालाओं को सचेतन वालंटियर्स पीयूष अग्रवाल, तक्षय के सहयोग से सम्पन्न किया गया. कार्यशाला के तहत लगने वाली समस्त सामग्री संस्था द्वारा ही प्रदान की गयी व पूर्णतया निशुल्क कार्यशालाएं थीं. डस्टबिन लाइनर बनाने का कार्य नारीशाला की बालिकाओं द्वारा किया गया जो कि रद्दी अखबार से बनाये गए व पर्यावरण दिवस पर बांटे गए.

कौशल प्रशिक्षण

कौशल प्रशिक्षण के तहत संस्था द्वारा इस वर्ष सिलाई के अंतर्गत कुछ नए प्रयोगों के साथ-साथ कुछ अन्य विधाएं भी सिखाई गयीं. कौशल प्रशिक्षण का कार्य मुख्यतः नारीशाला व बालिका गृह की बालिकाओं के साथ किया गया. कौशल प्रशिक्षण में मुख्यतः उन गतिविधियों को शामिल करते हैं जो बालिकाओं के हुनर को बढ़ाये व भविष्य में उनको अर्थोपार्जन में मदद करे. इस वर्ष की कौशल प्रशिक्षण के तहत प्रगति निम्नवत है:

बैग निर्माण प्रशिक्षण: दिनांक 12 अगस्त से 13 सितम्बर तक लगभग एक माह तक बैग निर्माण प्रशिक्षण का कार्य किया गया. यह प्रशिक्षण दो स्तर पर आयोजित किया गया. **पहले चरण** में दिनांक 12 अगस्त से 14 अगस्त तीन दिन की कार्यशाला का आयोजन सचेतन कार्यालय में किया गया जिसमें 10 बालिकाओं ने भाग लिया. इस कार्यशाला में पोटली पर्स व पिकनिक बैग की सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया.

इनके प्रशिक्षण हेतु सचेतन साथी श्रीमती नीलम सिंह जी द्वारा वालंटियर तौर पर बालिकाओं को सिलाई सिखाने का कार्य किया गया जोकि मूलतः फैशन डिजायनर रह चुकी हैं. चूँकि बालिकाएं सिलाई का बेसिक कोर्स पहले कर चुकीं थी अतः उन्हें बैग व पर्स की सिलाई रुचिकर लगी और वे इसे आसानी से कर पायीं. इन तीन दिनों के प्रशिक्षण का उद्देश्य यही था कि उन्हें 4-5 डिज़ाइन सिखा दी जाये व प्रत्येक बालिका उन सभी नमूनों के बैग व पर्स तैयार कर सके. नीलम जी द्वारा कागज पर नमूने की ड्राफ्टिंग से लेकर, सिलने व उत्पाद की फिनिशिंग तक की प्रक्रिया से लेकर रंग संयोजन, कपड़े की किस्म और उसके अनुकूल टांकों की जानकारी दी गयी व बालिकाओं को सिलने में मदद की.

कार्यशाला में संस्था द्वारा बालिकाओं हेतु भोजन व जलपान की व्यवस्था भी की गयी थी. कार्यशाला की समाप्ति पर सभी संभागी बालिकाओं को संस्था द्वारा पुरस्कार वितरण भी किया गया.

इस प्रशिक्षण के **दूसरे चरण** में बालिका गृह में ही इस प्रशिक्षण को चालू रखा गया व नीलम जी द्वारा भी प्रारंभिक कुछ दिनों तक वहां आकर बालिकाओं को मदद की गयी. हमने एक अंतिम दिन तय किया कि इस दिन तक प्रत्येक बालिका को निर्धारित बैग/पर्स बना लेने है. इस सम्पूर्ण प्रक्रिया का उद्देश्य यही था कि वे यह सीख सकें कि दिन भर में कितने घंटे काम करने पर वे कितने पर्स सिल लेंगी. कितनी बार उन्हें उधेड़ना पड़ा, बने हुए को खोलना पड़ा क्योंकि गलत सिल गया था, तो कई बार मशीन बिगड़ गयी...इन सभी अवरोधों को समझना और उनका समाधान निकालना भी इस प्रशिक्षण का उद्देश्य था. महीने भर के अंत तक काम में काफी सफाई भी आ गयी थी व उनकी अपनी डिजायन भी सामने आ रहीं थी. प्रशिक्षण हेतु समस्त सामग्री संस्था द्वारा ही उपलब्ध करायी गयी थी.

कतरनों से कारीगरी: रीसायकल क्राफ्ट के तहत बची कतरनों के साथ फ्रिज हैंडल, कटलरी केस, जीन्स बैग बनाने हेतु कार्यशाला का आयोजन 27 जनवरी से 31 जनवरी में किया गया. इसके अंतर्गत कतरनों से/ कपड़ों के छोटे टुकड़ों से क्या उपयोगी वस्तुएं बनायीं जा सकती हैं -इन पर विचार किया गया, कुछ मौजूदा नमूने दिखाए गए व उनको बनाया कैसे जायेगा आदि बातों पर बालिकाओं के साथ विमर्श किया गया व सिलने हेतु मार्गदर्शन किया गया. उद्देश्य था कि वे सोचें कि प्लास्टिक थैलियाँ आम जीवन में लोग कहाँ-कहाँ और कैसे उपयोग करते हैं और हम उनका विकल्प कैसे तैयार कर सकते हैं जो टिकाऊ हो और अच्छा भी लगे.

फ्रिज हैंडल कवर

पेंसिल पाउच

जींस का बना बैग

कटलरी पाउच (जहां जायें अपनी चम्मच साथ ले जाएँ..)

कशीदे वाले मांडने-कॉटन बैग्स प्रशिक्षण:

5 -8 फरवरी में चार दिन की प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सूती थैले/ टोट बैग्स बनाने का प्रशिक्षण दिया गया व बालिकाओं ने उनका अभ्यास किया. अब तक बालिकाएं सिलने में तो दक्ष हो चुकी थीं और अब बारी थी कि वे सिले हुए बैग्स को सुंदर कैसे बनायें. अतः, तय हुआ कि सब कढ़ाई करेंगे और परम्परागत नमूनों के परे कुछ कोट्स, वाक्य, मांडने आदि बना कर उनकी कढ़ाई करेंगे. निसंदेह, अंतिम परिणाम सुखद था. अनेक सुंदर नमूने (कुछ इंटरनेट से प्राप्त किये थे) और कढ़ाई वाले पिकनिक बैग्स बन कर तैयार हुए. संभवतः, आने वाली दीवाली प्रदर्शनी तक और भी बैग्स बन कर तैयार हो जायेंगे.

कढ़ाई वाले कॉटन बैग्स

इंटर्नशिप कार्यक्रम

संस्था द्वारा इस वर्ष तीन शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को उनके इंटर्नशिप कार्यक्रम हेतु मार्गदर्शन किया गया. इनका विवरण निम्नवत है-

1. सुचरिता बिस्वास: **लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (पंजाब)** से बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा ने कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत अपना इंटर्नशिप पाठ्यक्रम पूर्ण किया.

इंटर्न सुचरिता बालिकाओं को योग सिखाते हुए

2. शुभांगिनी सिंह: **इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, जयपुर** से समाज कार्य की छात्रा द्वारा ब्लाक प्लेसमेंट के तहत कार्य किया गया.

इंटर्न शुभांगिनी बॉडी मूवमेंट कार्यशाला में

3. शिवम् कुमार: **सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नागपुर** से प्रथम वर्ष बीए-एलएलबी के छात्र द्वारा इंटर्नशिप हेतु स्वास्थ्य अध्ययन परियोजना पर कार्य किया गया.

इंटर्न शिवम् द्वारा प्रेसेंटेशन

सहभागिता

नारीशाला- बालिका गृह में समाज कल्याण सप्ताह के तहत 4-5 अक्तूबर को महिला एवं बाल दिवस उत्सव मनाया गया. इस अवसर पर संस्था द्वारा बालिकाओं हेतु स्टोन पेंटिंग, फेस पेंटिंग, व रंगोली प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारीगण व नारीशाला अधीक्षक तथा अन्य आगंतुकों द्वारा बालिकाओं की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया गया.

नेटिव ट्री पेंटिंग कार्यशाला

महिला एवं बाल दिवस आयोजन

दिनांक 19 अगस्त को बालिका गृह की बालिकाओं के साथ वृक्षों पर आधारित पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें विभिन्न पेड़ों की पत्तियों की पहचान करना एवं उनको सामने रखकर पत्तियों को बनाने-रंगने का कार्य किया गया. जिन्हें नेटिव ट्री प्रदर्शनी में प्रदर्शित भी किया गया. पेंटिंग हेतु समस्त सामग्री संस्था द्वारा उपलब्ध करायी गयी.

ग्रेफाइट पेंटिंग कार्यशाला

कोटा हेरिटेज सोसायटी के साथ सहभागिता करते हुए 19 अक्तूबर को कला दीर्घ में आयोजित नेटिव ट्री कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में सहयोग प्रदान किया गया. जिसमें बालिका गृह की बालिकाओं को प्रदर्शनी दिखाने हेतु ले जाया गया व वहां उन्होंने ग्रेफाइट पेंटिंग कार्यशाला में भी भाग लिया.

जिला कलेक्टर महोदय द्वारा प्रदर्शनी अवलोकन

जिला प्रशासन कोटा, नगर निगम एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह प्रोत्साहन हेतु लगायी अमृता हाट प्रदर्शनी में 11-17 फरवरी तक संस्था द्वारा राजकीय बालिका गृह के साथ मिलकर बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी. प्रदर्शनी में जिला कलेक्टर महोदय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नगर निगम कोटा एवं अन्य अधिकारीगण द्वारा संस्था स्टाल का अवलोकन किया गया व निर्मित उत्पादों की सराहना की गयी. महिला दिवस अवसर पर 7 मार्च को रक्षम योगशाला द्वारा अपनी योग साधिकाओं हेतु आयोजित

महिला दिवस पर रक्षम योगशाला द्वारा आयोजित बैठक

बैठक में संस्था सचिव डॉ. भारती गौड़ द्वारा समाजकार्य में मूल्य एवं प्रोफेशनलिज्म विषय पर संबोधन दिया गया व सचेतन के कार्यों के बारे में सूचित किया गया.

विख्यात शिक्षाविद् एवं मोटिवेशनल स्पीकर श्री पवन सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित 'यूथ अवेकनिंग मिशन' के कार्यक्रम में संस्था प्रतिनिधि डॉ. मनीष गौड़ द्वारा संस्था की उपलब्धियों को साझा किया गया.

श्री पवन सिन्हा जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए संस्था प्रतिनिधि डॉ. मनीष गौड़

महिला स्वास्थ्य: ऑनलाइन सर्वेक्षण

संस्था द्वारा इस वर्ष माह अगस्त में '**Health Risk Assessment of Women of Kota**' के नाम से एक ऑनलाइन सर्वेक्षण का आयोजन किया गया. इस अध्ययन का उद्देश्य कोटा क्षेत्र की 30-60 वर्ष की महिलाओं में स्वास्थ्य के जोखिमों के स्तर के बारे में अध्ययन करना था. यह एक पायलट सर्वेक्षण था जिसमें लगभग 120 महिलाओं ने भाग लिया. इस सर्वेक्षण में संस्था के इंटर्नशिप छात्रों द्वारा अपना योगदान दिया गया था. सर्वेक्षण की विस्तृत रिपोर्ट लेखन प्रक्रियारत है.

डॉक्यूमेंटेशन एवं अन्य सामग्री विकास

इस वर्ष संस्था द्वारा निम्न सामग्रियों का प्रकाशन किया गया-

1. वार्षिक रिपोर्ट (कार्यक्रम व वित्तीय) वर्ष 2018-19
2. वेबसाइट www.sachetansociety.org एवं फेसबुक पेज का नियमित संधारण

सचेतन सदस्य व पदाधिकारी (वर्ष 2019-20)

इस वर्ष दो नए सदस्य इस वर्ष संस्था के साथ जुड़े हैं. संस्था उनका स्वागत करती है. दोनों ही सदस्य पूर्व में युवा वालंटियर के तौर पर संस्था के साथ अपनी सेवाएँ देते रहे हैं. समस्त संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों का विवरण इस प्रकार है-

सचेतन सदस्यों की सूची

1. प्रभाकर शर्मा (अध्यक्ष)	2. डॉ. भारती गौड़ (सचिव)
3. लीना विजय (कोषाध्यक्ष)	4. सुनीता जैन (सदस्य)
5. शरद चौधरी (सदस्य)	6. अमिताव बासु (सदस्य)
7. विकास दागुर (सदस्य)	8. रेनू सक्सेना (सदस्य)
9. मंजू सोनी (सदस्य)	10. अरविन्द सिंह (सदस्य)
11. सपना अग्रवाल (सदस्य)	12. जिया इस्लाम (सदस्य)
13. वंदना श्रीमाली (सदस्य)	14. नम्रता जेठवानी (सदस्य)
15. पीयूष अग्रवाल (सदस्य)	16. शीतिका पुंज (सदस्य)

सचेतन साथी -संस्था सभी का आभार व्यक्त करती है 🙏

A. वित्तीय सहयोग प्रदान करने वाले साथी

क्रम	नाम
1	मीता शर्मा, जयपुर
2	ब्रजेश श्रीवास्तव, सागर
3	अमिताभ बासु, कोटा
4	विमलेश सोनी, जयपुर
5	सपना अग्रवाल, कोटा
6	नम्रता जेठवानी, कोटा

B. वालंटियर सहयोग प्रदान करने वाले साथी

क्रम	नाम	गतिविधि
1	नीलम सिंह, कोटा	कौशल प्रशिक्षण संदर्भ व्यक्ति
2	इंटर्न सुचरिता, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	व्यवहारगत अध्ययन, योग कार्यशाला
3	इंटर्न शुभांगिनी, सोशल वर्क- IGNOU	बॉडी मूवमेंट कार्यशाला एवं शोध अध्ययन सहयोग
4	इंटर्न शिवम कुमार, लॉ स्टडीज-सिम्बोइसिस	स्वास्थ्य शोध अध्ययन
5	एक्सपर्टहीव कंसलटेंट, बेंगलुरु	ऑनलाइन इंग्लिश स्पीकिंग क्लास
6	सुनीता जैन, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
7	लीना विजय ,कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
8	पियूष अग्रवाल, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
9	अक्षय जैन, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
10	तक्षय अग्रवाल, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
11	नर्बदा, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
12	कोमल, कोटा	अमृता हाट- स्टाल क्रियान्वयन में सहयोग
13	सुप्रिया (रक्षम योगशाला)	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस –योग प्रशिक्षण
14	निमिषा कसेरा (रक्षम योगशाला)	योग प्रशिक्षण कार्यशाला

C. सामग्री सहयोग प्रदान करने वाले साथी

	नाम	गतिविधि
1	महक जैन, कोटा	रंग-बिरंगे कटपीस
2	मंजुला जैन, कोटा	कर्टेन फैब्रिक
3	ब्रजेश श्रीवास्तव, सागर	कशीदा सामग्री
4	छविप्रिया, दिल्ली	सिलाई सामग्री, धागे
5	नेहा मल्होत्रा, लखनऊ	फैब्रिक
6	नाहिद अख्तर, दिल्ली	फैब्रिक

सचेतन गतिविधियां – वर्ष 2019-20

क्रम	दिनांक	स्थान/संस्था	परियोजना	गतिविधि	संभागी	संदर्भ व्यक्ति/ वालंटियर्स
1	15 अप्रैल	बालिका गृह –नारीशाला	सहभागिता	जैन मुमुक्षु महिला मंडल-कोटा के साथ संवाद		भारती
2	18 अप्रैल	बालिका गृह –नारीशाला	आर्टलैब	पेपर बैग बनाना	46	भारती
3	30 अप्रैल	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	इंटर्न परिचय एवं कार्यशाला	31	भारती, शुभांगिनी
4	1-10 मई	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	बॉडी मूवमेंट कार्यशाला	37	शुभांगिनी
5	3-9 मई	बालिका गृह –नारीशाला	आर्टलैब	डस्ट बिन लाइनर बनाना	7	भारती
6	10-11 मई	उड़ान शिविर-विजयवर्गीय समाज	आर्टलैब	बुक मार्क्स बनाना –रीसाइकल्ड क्राफ्ट	37	पीयूष, तक्षय,भारती
7	16 मई	स्पंदन शिविर- दीया- गायत्री परिवार	आर्टलैब	बुक मार्क्स बनाना- रीसाइकल्ड क्राफ्ट	31	पीयूष, तक्षय,भारती
8	12जून- 20 जुलाई	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	योग एवं शारीरिक व्यायाम	28	इंटर्न सुचरिता
9	21 जून	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन	27	रक्षम योगशाला-सुप्रिया, सुचरिता,
10	22 जुलाई	बालिका गृह –नारीशाला	सेल्फ	बालिकाओं का सर्वे	२०	सुचरिता
11	2 अगस्त	बालिका गृह –नारीशाला	कौशल प्रशिक्षण	कचरे से खाद बनाना	47	संजीव सबरवाल –कृषि वैज्ञानिक
12	12-14 अगस्त	सचेतन कार्यलय	*कौशल प्रशिक्षण*	पोटली पर्स, पिकनिक बैग मेकिंग	10	नीलम सिंह,भारती
13	19 अगस्त	बालिका गृह –नारीशाला	आर्टलैब	ट्री-ड्राइंग मेकिंग कार्यशाला	40	तनुश्री, भारती
14	21 अग-13सित.	बालिका गृह –नारीशाला	कौशल प्रशिक्षण	बैग्स,पोटली पर्स मेकिंग प्रशिक्षण	9	नीलम सिंह
15	2 अक्टूबर	बालिका गृह –नारीशाला	आर्टलैब	गाँधी जयंती आयोजन – पेपर बैग्स बनना	10	भारती
16	4-5 अक्टूबर	बालिका गृह –नारीशाला-समाज कल्याण सप्ताह –महिला एवं बाल दिवस	सहभागिता	स्टोन पेंटिंग, फेस पेंटिंग एवं मेहँदी व अन्य कार्यशालाएं	21	भारती
17	19 अक्टूबर	बालिका गृह –नारीशाला	सहभागिता	नेटिव ट्री कार्यशाला एवं प्रदर्शनी (ग्रेफाइट पेंटिंग)	5	भारती
18	10-14 दिसम्बर	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	ऑनलाइन इंग्लिश स्पीकिंग क्लास	23	भारती, एक्सपर्टहीव बंगलोर
19	17 दिसम्बर	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	आधार एवं अन्य पहचान पत्रों के ऊपर प्रेजेंटेशन	43	इंटर्न शिवम्, भारती, डॉ. शर्मीला कुमारी

सचेतन गतिविधियां – वर्ष 2019-20

क्रम	दिनांक	स्थान/संस्था	परियोजना	गतिविधि	संभागी	संदर्भ व्यक्ति/ वालंटियर्स
20	**27-31 जनवरी**	**बालिका गृह –नारीशाला**	**कौशल प्रशिक्षण**	**बची कतरनों के साथ फ्रिज हैंडल, कटलरी केस, जीन्स बैग बनाने हेतु कार्यशाला**	**5**	भारती
21	5 -8 फ़रवरी	बालिका गृह –नारीशाला	कौशल प्रशिक्षण	कॉटन बैग्स प्रशिक्षण –मांडना कशीदा	5	भारती
22	11-17 फ़रवरी	अमृता हाट प्रदर्शनी	सहभागिता -प्रदर्शनी	नगर निगम कोटा		लीना, सुनीता, पीयूष, भारती
23	7 मार्च	रक्षम योगशाला	सहभागिता	समाजकार्य में मूल्य एवं प्रोफेशनलिज्म विषय पर चर्चा		भारती
24	17-21 मार्च	बालिका गृह –नारीशाला	शैक्षिक	योग प्रशिक्षण कार्यशाला	27	निमिषा कसेरा – रक्षम योगशाला

नोट: उपरोक्त विशिष्ट गतिविधियों के अतिरिक्त नारीशाला/ बालिका गृह की बालिकाओं के साथ वर्ष-पर्यंत प्रशिक्षण उपरांत-अभ्यास कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहा.

वित्तीय रिपोर्ट – वर्ष 2019-20

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

BALANCE SHEET AS ON 31-3-2020

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
Corpus Fund			Equipment	54,627.00
Opening Balance	70000.00	70,000.00	TDS Receivable Ay 2018-19)	2,100.00
General Fund:			State Bank of India Bank A/c	224,244.00
Opening Balance	240889.00		Cash in hand	13,398.00
Add: Excess of Income over expenses	-16520.00	224,369.00		
	Total Rs.	**294,369.00**	**Total Rs.**	**294,369.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training **For: Jain Neeraj & Co.**

Chartered Accountants

Place: **Kota**

Date: 15/10/2020

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

JAIN NEERAJ & CO. M. No 79509 KOTA Chartered Accountants

(Ritu Bohra) Partner

Udin: 20079509AAAABC2536

वित्तीय रिपोर्ट – वर्ष 2019-20

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED ON 31-3-2020

PARTICULARS		AMOUNT	PARTICULARS	AMOUNT
To Printing & Stationary Exp		874.00	By Donations Received	38,600.00
To Bank Charges		708.00	By Membership Fees	9,000.00
To Audit and Legal fees		8,330.00	By Other Receipt	11,120.00
To Story Lab Exp		11,500.00	By Excess Of expenditure Over Income	16,520.00
To Skill Development Project Exp		8,038.00		
To Art Labs project Exp				
-Material	1,585.00			
-Resource Persons	25,800.00			
- Exhibition	3,740.00	31,125.00		
To SELF Project (Craft Centre)				
- Material	3,558.00			
-Monitoring & Supervision Exp.	9,957.00	13,515.00		
To SELF Project (Open School Study project)				
-Education Support	1,150.00	1,150.00		
	Total Rs.	**75,240.00**	**Total Rs.**	**75,240.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training

For: Jain Neeraj & Co.

Chartered Accountants

Place: Kota

Date: 15/10/2020

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

(Ritu Bohra) Partner

Udin: 20079509AAAABC2536

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

RECEIPTS & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDED ON 31-3-2020

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENT		AMOUNT
To Balance b/d			By Printing & Stationary		874.00
(a) Cash balance	32,580.00		By Bank Charges		708.00
(b) Bank Balance	221,582.00	254,162.00	By Audit & Legal fees		8,330.00
To Other Receipts		11,120.00	By Skill Development Training Exp		8,038.00
To Membership Fees		9,000.00	By Website Domain		11,500.00
To Donation Received		38,600.00	**By Art Labs project Exp**		
			Travel		
			Material	1,585.00	
			Resource Persons	25,800.00	
			Exhibition	3,740.00	31,125.00
			By SELF Project Exp. (Craft Centre)		
			Material	3,558.00	
			Monitoring & Supervision Exp.	9,957.00	13,515.00
			By SELF Project (Open School Study Pproject)		
			Education Support		1,150.00
			By Balance C/d		
			(a) Cash Balance	13,398.00	
			(b) Bank Balance	224,244.00	237,642.00
	Total Rs.	**312,882.00**		**Total Rs.**	**312,882.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training

For: Jain Neeraj & Co.

Chartered Accountants

Place: Kota

Date: 15/10/2020

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

(Ritu Bohra) **Partner**

Udin: 20079509AAAABC2536

संस्था को सहयोग करें

आप अपनी सहयोग राशि बैंक चेक के माध्यम से हमारे संस्था कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं अथवा सीधे ही बैंक ट्रांसफर कर सकते हैं.

समस्त डोनेशन आयकर अधिनियम **1961**, सेक्शन 80 जी के तहत छूट प्राप्त हैं.

समस्त चैक '**Sachetan Society for Research, Education and Training**' के नाम पर बनाये जायेंगे.

कार्यालय पता: सचेतन, 23- श्रीपद, रेलवे सोसायटी कॉलोनी, बजरंगनगर, कोटा (राजस्थान), भारत. पिनकोड **324001**.

नेट बैंकिंग हेतु बैंक विवरण:

बैंक का नाम- स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया
सिटी शाखा: कोटा (राजस्थान)
बैंक शाखा: ए डी बी शाखा
बैंक खाता संख्या: **32852896009**
IFSC/RTGS कोड**: SBIN 0001838**
बैंक पता**:** स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, एडीबी ब्रांच, स्टेशन रोड, कोटा (राजस्थान), भारत.

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.sachetansociety.org** व फेसबुक पेज को देख सकते हैं.

सचेतन

कार्यालय : सचेतन, 23- श्रीपद, रेलवे सोसायटी कॉलोनी, बजरंगनगर,
कोटा (राजस्थान), भारत. पिनकोड 324001.
वेब साईट : www.sachetansociety.org